>

Title: Need to review National Social Assistance programmes in the Country.

श्री पुन्नूलाल मोहले (बिलासपुर) : सभापति महोदय, मैं राष्ट्रीय सामाजिक कार्यक्रम के अंतर्गत विधवा निराश्रित, वृद्धा पेंशन, कृत्रिम अंग वगैरह, छोटे बच्चों के लिए पोषण-आहार आदि समस्याओं की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। निराश्रितों और वृद्धाओं को दो सौ रुपए मिलते हैं। ये जो इन्हें महीने में दो सौ रुपए मिलते हैं तो रोज के लगभग छ: रुपए 80 पैसे बनते हैं। इतने पैसे में एक व्यक्ति नाश्ता भी मुश्किल से कर पाता है। एक गरीब आदमी किस तरह से इतने पैसों में अपना गुज़र-बसर करें। सरकार छत्तीसगढ़ में 35 किलो चावल की जगह 20 किलो चावल दे रही है 15 किलों चावल की कटौती कर रही है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि ये दो सौ रुपए इनके लिए बहुत कम हैं। जिसके पति ने उसे छोड़ दिया है तो क्या ऐसे में वह दो सौ रुपए में अपना गुज़ारा कर सकती है? ...(व्यवधान) वह मुश्किल से अपनी रोजी-रोटी चला पाती है, बीमारी में वह अपना इलाज कैसे करा पाएगी? कृत्रिम अंग वाले, जो बधिर हैं, जिसका पैर नहीं है, वे नारकीय जीवन जीते हैं, उनका दो सौ रुपए में कुछ नहीं होता। उनकी पढ़ाई की व्यवस्था भी नहीं हो पाती।...(व्यवधान) जिनके माता-पिता मर चुके हैं। उन बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था सरकार नि:शुल्क करे और उनकी चिकित्सा के लिए भी व्यवस्था करे। इनके दो सौ रुपए से बढ़ा कर पांच सौ रुपए करे और उसे 35 किलो चावल की जगह 50 किलो चावल दिया जाए। ...(व्यवधान) जिसके अंग नहीं हैं, उसे मुफ्त में कृत्रिम अंग दिए जाएं।

...(व्यवधान) *

सभापति महोदय : अब जो आप बोलेंगे, वह आपका रिकार्ड में नहीं जाएगा।[rep18]